छह-लेन वाली 13 किमी सड़क निर्माण की राशि के साथ भू-अर्जन के भी पैसे केंद्र से मिलेंगे

रामनगर-कच्ची दरगाह सड़क को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। औरंगाबाद के आमस से शुरू होकर दरभंगा तक बनने वाले एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर में रामनगर से कच्ची दरगाह की मंजूरी केंद्र सरकार ने दे दी है। यह सड़क पटना रिंग रोड के साथ ही आमस दरभंगा का भी हिस्सा है।

केंद्र सरकार की मंजूरी मिलते ही अब पटना जिले के रामनगर से कच्ची दरगाह के बीच बनने वाली 13 किलोमीटर सड़क की पूरी राशि निर्माण के साथ ही भू-अर्जन की भी राशि केंद्र सरकार वहन करेगी। इस सड़क का टेंडर हो चुका है। एक महीने में एजेंसी चयन कर लिया जाएगा। मार्च-अप्रैल से काम शुरू हो जाएगा। हालांकि इसके भू-अर्जन का काम पूरा नहीं हुआ है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर यह जानकारी साझा की। ट्वीट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आमस-दरभंगा

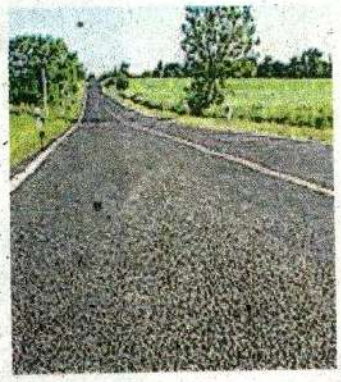

1082.85 करोड़ की लागत के साथ मिली स्वीकृति, एक महीने में एजेंसी चयन कर लिया जाएगा

- मार्च-अप्रैल से काम होगा शुरू, भू-अर्जन का काम पूरा नहीं
- बंगाल, झारखंड और उत्तर-पूर्व राज्यों से कनेक्टिविटी बढ़ेगी

राजमार्ग के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय राजमार्ग-119डी (मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग-31 के चौड़ीकरण सहित) पर रामनगर से कच्ची दरगाह तक 6-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के निर्माण की 1082.85 करोड़ रुपए की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है। आमस दरभंगा परियोजना दो आर्थिक कॉरिडोर राष्ट्रीय राजमार्ग-02 (नया एनएच-19) और राष्ट्रीय राजमार्ग-57 (नया एनएच-27) के बीच सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और बिहार के आंतरिक हिस्सों की पश्चिम बंगाल, झारखंड और उत्तर पूर्व राज्यों से कनेक्टिविटी में भी सुधार करेगी। इससे देश के पूर्वी हिस्से में लंबे मार्ग के यातायात और माल ढुलाई की दक्षता में सुधार करने में मदद मिलेगी।

वहीं एक अन्य ट्वीट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार के किशनगंज जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 और राष्ट्रीय राजमार्ग-327 ई को जोड़ने वाले एक स्पर के रूप में किशनगंज-बहादुरगंज खंड (लंबाई 24.849 किमी) के चार-लेन के निर्माण के लिए 1117.01 करोड़ की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है। यह परियोजना आर्थिक कॉरिडोर है जो पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर राष्ट्रीय राजमार्ग-27 (नया)/राष्ट्रीय राजमार्ग-31 (पुराना) और राष्ट्रीय राजमार्ग-327ई के बीच सीधी कनेक्टिविटी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

सिलीगुड़ी हवाई अड्डे तक पहुंच होगी आसान

यह परियोजना विभिन्न शहरों से सिलीगुड़ी हवाई अड्डे (बागडोगरा) तक कनेक्टिविटी में भी सुधार करेगी। इससे नोडल बिंदुओं के बीच की दूरी और यात्रा के समय में काफी कमी आने की भी उम्मीद है ताकि यात्रियों के लिए सबसे कुशल कनेक्टिविटी और सबसे नजदीकी मार्ग प्रदान किया जा सके।